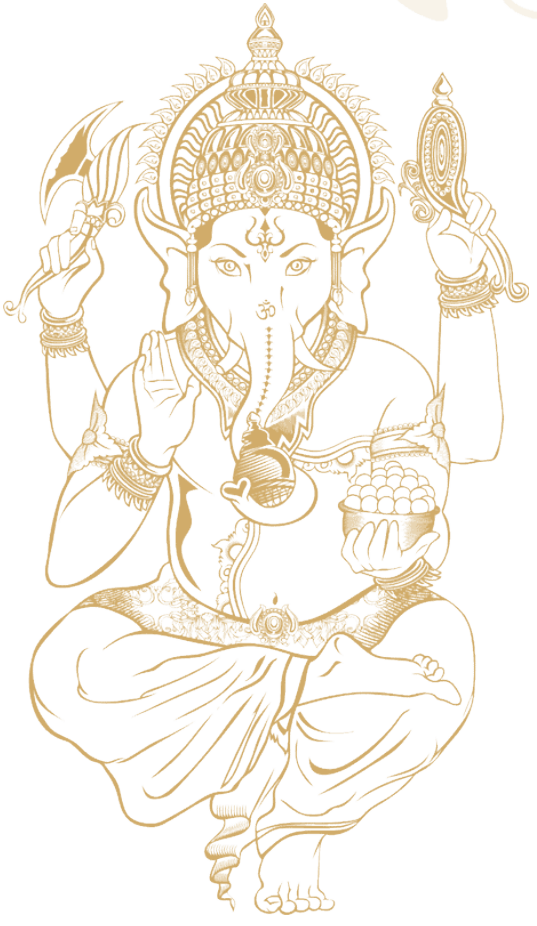

Devanshu

Sanya

Model: Love-Horoscope

Order No: 121811001

Order No: 121811001 Date: 04/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/01/1996	जन्म तिथि	09/10/2000
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 07:46:00	जन्म समय	21:55:00 घंटे
घटी 01:16:37	जन्म समय(घटी)	39:00:50 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:21	सूर्योदय	06:18:39
17:39:55	सूर्यास्त	17:57:43
23:48:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:47
मकर	लग्न	मिथुन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कर्क	राशि	कुम्भ
चन्द्र	राशि-स्वामी	शनि
आश्लेषा	नक्षत्र	शतभिषा
बुध	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	1
विष्कुम्भ	योग	गण्ड
वणिज	करण	बव
डी-डीगेश्वर	जन्म नामाक्षर	गो-गौतमी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
मार्जार	योनि	अश्व
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	मार्जार

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 10मा 26दि		00:09:12	मक	लग्न	मिथु	02:12:30	राहु 14वर्ष 8मा 13दि	
शुक्र		23:15:57	धनु	सूर्य	कन्या	22:48:53	गुरु	
04/12/2018		17:31:28	कर्क	चंद्र	कुंभ	09:06:32	24/06/2015	
04/12/2038		05:54:38	मक	मंगल	सिंह	20:22:16	24/06/2031	
शुक्र	05/04/2022	11:03:44	मक	बुध	तुला	17:53:03	गुरु	11/08/2017
सूर्य	05/04/2023	07:16:26	धनु	गुरु व	वृष	17:11:54	शनि	22/02/2020
चन्द्र	04/12/2024	27:31:39	मक	शुक्र	तुला	24:29:26	बुध	30/05/2022
मंगल	03/02/2026	26:06:20	कुंभ	शनि व	वृष	06:27:47	केतु	06/05/2023
राहु	03/02/2029	28:18:17	कन्या व	राहु व	मिथु	26:51:51	शुक्र	04/01/2026
गुरु	05/10/2031	28:18:17	मीन व	केतु व	धनु	26:51:51	सूर्य	23/10/2026
शनि	04/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष व	मक	23:09:03	चन्द्र	22/02/2028
बुध	04/10/2037	01:08:24	मक	नेप व	मक	09:56:12	मंगल	28/01/2029
केतु	04/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:57:20	राहु	24/06/2031

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:47

लग्न-चलित

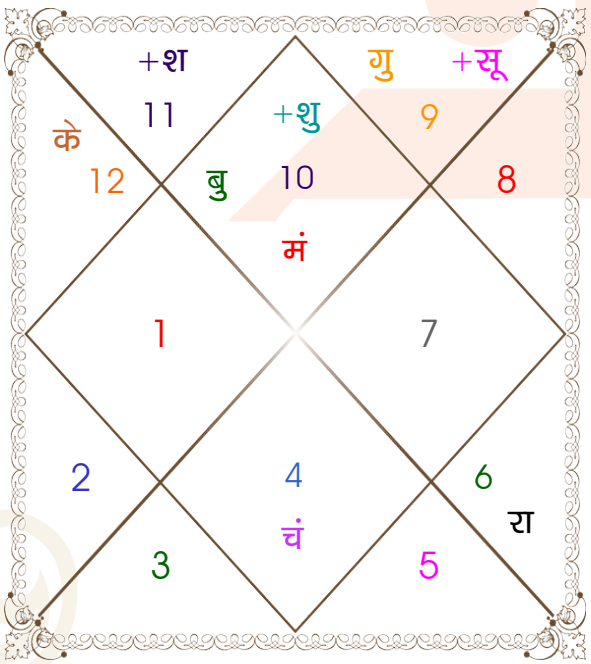

लग्न-चलित

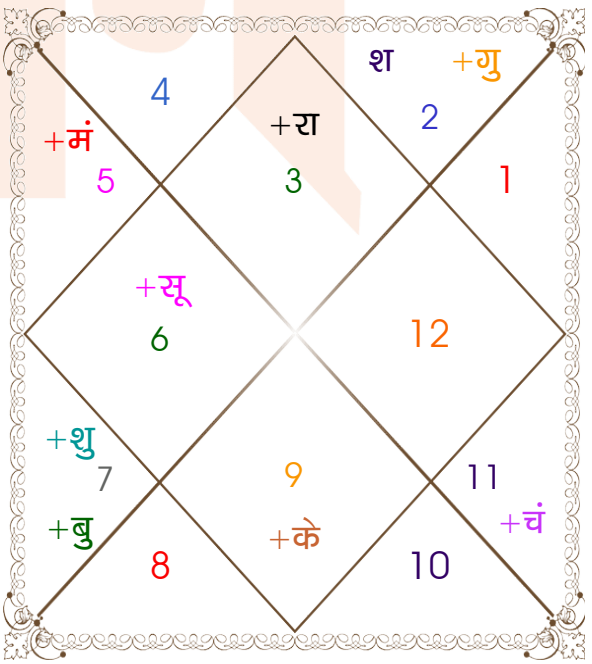

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

कुल : **20 / 36**

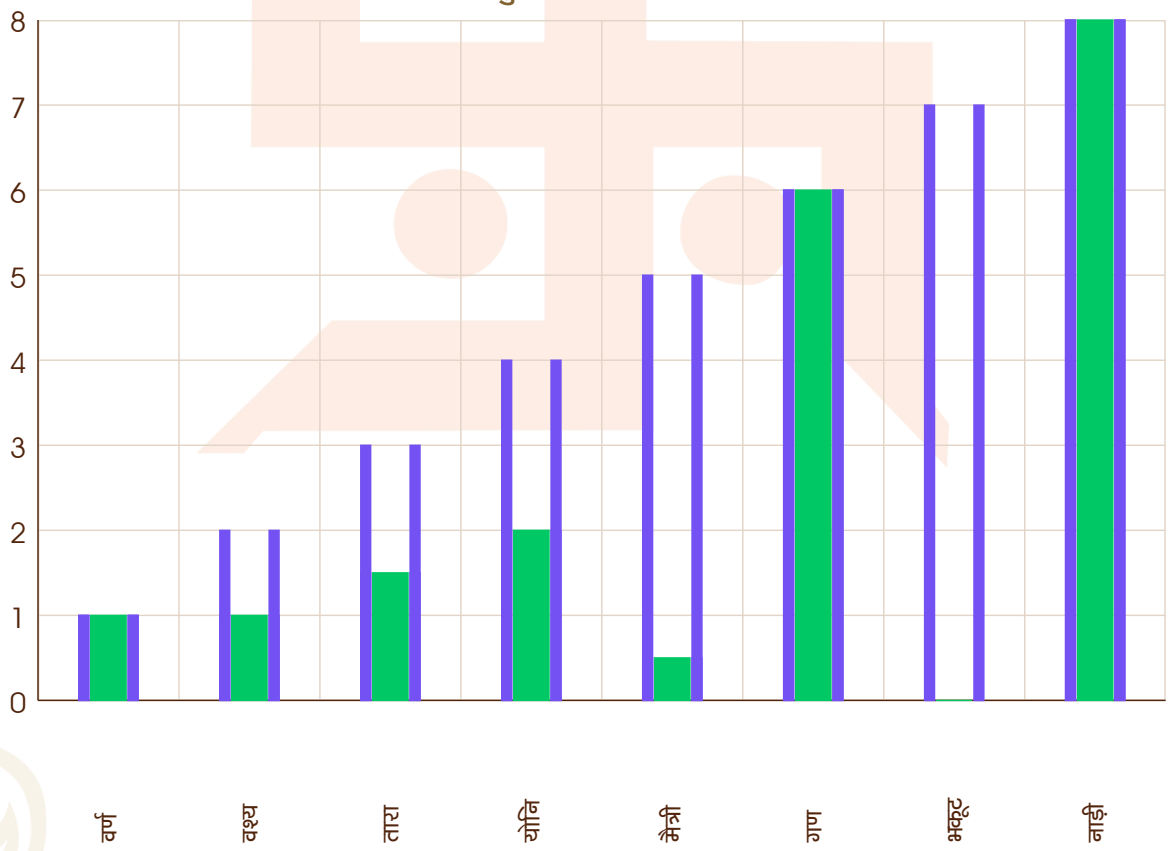

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

क्मअंदीन का वर्ग श्वान है तथा Sanya का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्मअंदीन और Sanya का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

क्मअंदीन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल क्मअंदीन कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्मअंदीन कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sanya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Sanya कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sanya कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

क्मअंदीन तथा Sanya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

क्मअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा Sanya का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Sanya सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Sanya एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

क्मअंदीन का वश्य जलचर है एवं Sanya का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Sanya अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि क्मअंदीन उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

क्मअंदीन की तारा क्षेम तथा Sanya की तारा वध है। Sanya की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह क्मअंदीन एवं Sanya दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Sanya अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

क्मअंदीन की योनि मार्जार है तथा Sanya की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में क्मअंदीन का राशि स्वामी Sanya के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Sanya का राशि स्वामी क्मअंदीन के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

क्मअंदीन का गण राक्षस है तथा Sanya का गण भी राक्षस है। अर्थात Sanya का गण क्मअंदीन के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण क्मअंदीन एवं Sanya दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

क्मअंदीन से Sanya की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Sanya से क्मअंदीन की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। क्मअंदीन एवं Sanya दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। क्मअंदीन शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Sanya बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही

खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

क्मअंदीन की नाड़ी अन्त्य है तथा Sanya की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। क्मअंदीन की अन्त्य नाड़ी तथा Sanya की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

क्मअंदीन की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क तथा Sanya की राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है जल एवं वायुतत्व में स्वाभाविक समता एवं मित्रता का भाव रहता है। अतः क्मअंदीन और Sanya के मध्य नैसर्गिक समानताएं विद्यमान होंगी तथा वैवाहिक जीवन में मधुरता रहेगी। अतः मिलान अनुकूल रहेगा।

क्मअंदीन की राशि का स्वामी चन्द्र तथा Sanya की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रु एवं समभाव में स्थित है। इसके प्रभाव से इनके मध्य विरोध एवं असमानता का भाव दृष्टिगोचर होगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर वैमनस्य के भाव में वृद्धि होगी तथा वैवाहिक जीवन में अशांति अधिक रहेगी। यदि क्मअंदीन और Sanya उपरोक्त तथ्यों की उपेक्षा करें तो वे किंचित शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

क्मअंदीन और Sanya की राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है जो एक प्रबल भकूट दोष है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य अनावश्यक वाद विवाद होते रहेंगे जिससे परस्पर संबधों में तनाव उत्पन्न होगा। साथ ही क्मअंदीन और Sanya के मध्य काफी मतभेद भी रहेंगे जिस पर कठिनाई से ही सहमति होने की संभावना रहेगी। इस प्रकार क्मअंदीन और Sanya को सुखी दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने के लिए सहिष्णुता एवं धैर्य का परिचय देना पड़ेगा तभी किंचित शांति की प्राप्ति हो सकती है।

क्मअंदीन का वश्य जलचर एवं Sanya का वश्य मानव है। जलचर एवं मानव के मध्य नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी। शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता होगी तथा एक दूसरे को कामेच्छाओं में प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

क्मअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा Sanya का वर्ण शूद्र है। अतः क्मअंदीन की रूचि शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो के प्रति रहेगी परन्तु Sanya किसी भी प्रकार के कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी जिससे उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

धन

क्मअंदीन और Sanya दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

क्मअंदीन का अन्त्य तथा Sanya का आद्य नाड़ी में जन्म हुआ है अतः दोनों की नाड़ियां भिन्न होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से ये मुक्त रहेंगे जिससे इनका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा। लेकिन मंगल का Sanya के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से वह रक्त या पित विकार से परेशान होंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट की भी संभावना रहेगी। साथ ही गुप्त रोग एवं काम क्रिया में उदासनीनता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इससे पति पत्नी के आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता में अल्पता आएगी। अतः मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Sanya को चाहिए कि वह नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास भी रखें।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से क्मअंदीन और Sanya का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त क्मअंदीन और Sanya के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Sanya के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Sanya को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Sanya को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से क्मअंदीन और Sanya सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार क्मअंदीन और Sanya का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Sanya के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Sanya भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Sanya भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों

से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Sanya को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

क्मअंदीन के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि क्मअंदीन तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से क्मअंदीन के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।

लग्न फल

Devanshu

आप एक विशिष्ट प्रकार की सुविधा से युक्त श्रेणी में ज्योतिषीय आकृति से वर्गोत्तम फलदायी परिस्थिति में उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के द्वितीय चरण में जन्म लिए हैं। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्न, मकर नवमांश एवं मकर का द्रेष्काण साथ-साथ उदित था, जो एक विलक्षणता आपको प्रदान किया है। तथा यह सुनिश्चित करता है कि आप दीर्घायु, धनी, सुखद, आरामदायक विलासिता पूर्ण जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

आपके जीवन की मंजिल तैयार है कि आप आत्म विश्वास के साथ कठिन श्रम संपादन कर के अपने कार्य की सफलता एवं लक्ष्य की प्राप्ति हेतु पूर्ण निष्ठा से कर्त्तव्य पथ पर सफलता प्राप्त करेंगे एवं आप अपना कार्य संपन्न करने के लिए समर्थ हैं। आपमें यह गुण विद्य मान है कि आप बैल की आखों के समान पैनी दृष्टि रखते हैं। अतएव आपके कार्य कर्म में कोई कठिन समस्या उत्पन्न नहीं होगी। जिससे कि आप अद्योगति को प्राप्त हों, लेकिन आपको सरलता पूर्वक कार्य संपादन करने के लिए विचार करना चाहिए।

परंतु आपको सरलतापूर्वक कोई भी अनुचित रूप से कार्य-कलाप के संबंध में चिंताजनक स्थिति उत्पन्न न कर सके। चिंता करने से किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता है। क्या यह बिंदु चिंता उत्पन्न कराने वाला है।

आप यदि एक बार सम्पत्ति अर्जन हेतु कार्यारंभ कर दें तो निश्चित रूप से कार्य को संपूर्ण कर देंगे। आप मितव्ययी हैं। आप अतिरिक्त व्यय नहीं करेंगे। आप विनयशील है तथा किसी के साथ सुकोमल भाव से युक्त होते हैं। आप किसी के साथ धोखा-धड़ी नहीं करते और नहीं अपनी धन संपत्ति से किसी से किसी को भी वंचित करते हैं। आपके सहयोगी आपके प्रगति के पथ को अवरूद्ध करने के लिए समर्थ हैं। आप में यह सामर्थ्य है कि आप सर्तक रह कर, अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपनी कार्य योजना को कार्यान्वित करने को महत्व देते हैं एवं सर्वोच्च स्थान की प्राप्ति हेतु प्रयासरत रहते हैं।

आप स्पष्ट कार्य व्यवसाय करने में विश्वास रखते हैं तथा विश्वसनीयता पूर्वक कार्य का संपादन करते हैं। आप धर्म के प्रति अपनी अभिरूचि का प्रदर्शन करना चाहते हैं एवं धर्म और दर्शन के पथ पर चलकर कुछ भी धन दान सेवी संस्था को प्रदान करेंगे।

मकर राशीय प्रभावानुसार आपका विवाह बिलम्ब से होगा। परंतु एक बार वैवाहिक योग बन गया तो वे अपनी परिवार को पूर्ण प्यार प्रदान करते हैं। यद्यपि बाहर से देखने पर इनकी भावुकता का अनुमान नहीं होता। ये खास कर अंतर्मुखी होते हैं। ये अपने घर के वातावरण को शांतिपूर्ण रखना चाहते हैं। ये अपने परिवार को उच्च शिखर पर देखना चाहते हैं तथा अपने परिवार की प्रतिष्ठा को ऊंची लहरों की भांति परिष्कृत करना चाहते हैं।

आप कभी भी ऊंची छलांग लगाने का प्रयास नहीं करेंगे, क्योंकि आप

शारीरिक रूप से कभी भी क्षतिग्रस्त हो सकते है। ऐसा आभास आपकी जन्म पत्रिका से मिलता है। आपके लिए प्रतिदिन नियमित व्यायाम करने की आदत डालने से आपका जीवन सुरक्षित रहेंगा। आप नियमित रूप से अपने पाचन क्रिया के लिए सतर्क रहें।

सर्व प्रथम आप अच्छी प्रकार सर्विस करके चमक सकते हो इसके पश्चात् व्यवसाय के संबंध में सोचना उत्तम होगा। आपके लिए व्यवसायों में कपड़ा सिलाई का कार्य, दर्जीगिरी, शैक्षणिक कार्य, लेखन, गायन, पश्र्व गायक, अभियांत्रिकी वास्तुकला का कार्य, बिक्रेता का कार्य खासकर, वैज्ञानिक यंत्रादि के कार्य अथवा कृषि फार्म का कार्य अथवा भूमि एवं खनिज उत्पादन का कार्य व्यवसाय अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली निर्देशित पंक्ति है, जिसका व्यवहार भली प्रकार कर के आप प्रसन्नतम रह सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं भाग्यशाली दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन व्यवहारणीय है, परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल चिंताकारक एवं व्ययकारक है।

आपके लिए अंकों में अंक 6, 8 एवं 9 अंक अनुकूल, भाग्यवर्द्धक एवं सफलतादायक है। जबकि अंक 3 आपके लिए पूर्णतः प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग लाल, काला, नीला एवं सफेद रंग है। परंतु क्रीम रंग एवं रंग पीला सर्वथा त्यागनीय है।

Sanya

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो

जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूएंजा, कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।

अंक ज्योतिष फल

Devanshu

आपका जन्म दिनांक आठ होने से आपका मूलांक आठ बनता है। मूलांक आठ का स्वामी शनिग्रह है। शनि के प्रभाव से आप अपने जीवन में धीरे-धीरे उन्नति प्राप्त करेंगे। व्यवधानों, कठिनाईयों से जूझते हुए सफलता प्राप्त करना आपकी प्रकृति में रहेगा। असफलताओं से आप घबडायेंगे नहीं। कभी कभी निराशा के भाव अवश्य आ जाया करेंगे। आलस्य आपका सबसे बड़ा शत्रु रहेगा और यही आलस्य आपकी असफलता का कारण रहेगा। अतः किसी भी कार्य को कल पर न टालें। जीवन में शनि ग्रह के प्रभाववश आप काफी महत्वपूर्ण कार्य करेंगे, जिससे आपको नाम, यश, कीर्ति, प्राप्त होगी। आपकी कार्यशैली को हर कोई समझ नहीं पायेगा, इससे आपके विरोधी भी उत्पन्न होंगे।

आपके अन्दर दिखावे की प्रवृत्ति कम रहेगी। इस कारण आपको कुछ लोग रूखा, शुष्क और कठोर हृदय समझेंगे। जबकि अन्दर से आप काफी भावुक एवं दयालु हृदय के होंगे। आप अधिकांश समय में अपने काम से ही मतलब रखेंगे एवं आपकी कोशिश रहेगी कि काम में ही लगे रहें। लेकिन आपके इस व्यवहार के कारण आपके आलोचक भी अधिक रहेंगे।

आपके अंन्दर त्याग की भावना अधिक रहेगी एवं श्रम में कभी पीछे नहीं हटेंगे। किसी भी कार्य में कितना भी श्रम, त्याग या बलिदान लगे आप पीछे नहीं हटेंगे। इसी कारण रुकावटों को पार करते हुये आप अपनी मंजिल अवश्य प्राप्त करेंगे। शनि प्रभावी व्यक्ति संधर्ष शील एवं परिश्रमी होते हैं एवं विध्नों को पार करते हुये उन्नति करने के कारण इनको सफलता देर से लेकिन स्थायी प्राप्त होती है।

Sanya

आपका जन्म दिनांक नौ होने से आपका मूलांक नौ होता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। मंगल को ग्रहों का सेनापति माना गया है। अतः आपके अन्दर भी सेनापति, नायक, मुखिया इत्यादि बनने की चाह सामाजिक क्षेत्रों में बनी रहेगी। रोजगार व्यवसाय मे एकाधिकार की प्रवृत्ति आपमें पाई जायेगी। आपके अन्दर साहस अधिक होने से आप अपने कार्यों को अदम्य साहस से करते हुये कठिनाईयों को आसानी से पार कर लेंगी। स्वभाव में आपके तेजी रहेगी। फुर्ती एवं जल्दबाजी रहेगी। आपकी सदैव यही कोशिश रहेगी कि आप जो भी कार्य हाथ में लें वह शीघ्र समाप्त हो जाये।

आपके स्वभाव में साहसीपन होने से आपको दुःसाहस के कार्यों से सदैव दूर रहना हितकर रहेगा। आप अनुशासन प्रिय रहेंगी एवं दूसरों से अनुशासन रखने की अपेक्षा करेंगी। खुशामद एवं चापलूसी से आप प्रभावित होकर कभी-कभी नुकसान भी उठायेंगी। अतः खुशामदी एवं चापलूस व्यक्तियों से सदैव बचें। मंगल ग्रह के प्रभाव से क्रोध की मात्रा भी आपमें रहेगी। इससे आपके विरोधी उत्पन्न होंगे। शत्रुओं की संख्या कम रहेगी एवं आप में शत्रुओं को दमन करने का बल हमेशा बना रहेगा।

मंगल के मूलांक के प्रभाववश आप अग्नितत्व प्रधान रोगों की शिकार होंगी। अतः आपको सौम्यता का व्यवहार रखना भाग्य में वृद्धि कारक रहेगा। क्रोध से बचना आपके लिए हितकर रहेगा।

Devanshu

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Sanya

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाली महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगी।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगी। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगी। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगी और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगी जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता रहे और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।